करप्शन का प्रमुख कारण है एक शुरूआती गलती। ये गलती कि अपने को आत्मा की जगह शरीर मानना। जब शरीर माना तो शरीर के सुख के पीछे मन दौडेगा। पैसा, प्रतिष्ठा, स्त्री, पति, नातेदार इनके पीछे भागेगा। सीधे रास्ते से काम ना बना तो गलत रास्ता अपनायेगा।

जब कोई व्यक्ति इलेक्शन लड़ता है तो तमाम सारा पैसा खर्च करता है। अगर उसने एक करोड़ खर्च किया तो इलेक्शन के बाद कम से कम दस करोड़ बनाने की कोशिश करेगा। मन की वासना का कोई अंत नही है। दस करोड़ क्या दस अरब मिलने पर भी मन और चाहेगा। करप्शन कैसे रूकेगा?

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132

यदि किसी व्यक्ति को संपूर्ण पृथ्वी का राज्य, धन, संपत्ति, स्त्रीयां भी मिल जाए तो भी उसकी वासना वैसे ही बनी रहेगी जैसे पहले थी। तो छोटी मोटी प्राप्ती से वासना की पूर्ति कैसे होगी?

एक तो अपने को शरीर मानना ही गलत है। इसके आगे जाकर अपनी पहेचान परिवार, धर्म, जाती, भाषा, प्रांत, देश से बनाना और संबंधित लोगों को अपना मानना फिर उनके गलत, अन्यायपूर्ण व्यवहार का समर्थन करना ये बहुत बड़ी मूर्खता है। ये आपको किस नरक में डाल देगा कुछ पता है? ना किसी को अपना मानो ना पराया। तभी मूर्खता पूर्वक होने वाले पापों से और परिणामस्वरूप मिलने वाली यातनाओं से बचोगे।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132